Roll No. ....

DD–2093

B. A. (Part I) EXAMINATION, 2020

HINDI LITERATURE

Paper First

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) भगति भजन हरि नांव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा वाचा कर्मनां, कबीर सुमिरोण सार
पीछै लागा जाइ था, लोक वेद के साथ।
आगै लै सतगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथ

अथवा

नागमती चितउर पंथ हेरा। पिउ सो गए पुनि कीन्ह न फेरा
नागरि नारि काहुँ बस परा। तेइ मोर पिउ मोसौं हरा
सुआ काल होइ लेगा पीऊ। पिउ नहि लेत लेत बरु जीऊ
भएउ नरायन बावन करा। राज करत राजा बलि छरा
करन बान लीन्हेउ कै छंदू। विप्र रूप धरि झिलमिल इंदू

(ख) उद्धव यह मन निश्चय जानो।
मन क्रम बच मैं तुम्हें पठावत ब्रज को तुरत पलानो
पूरन ब्रह्म, सकल अविनासी ताके तुम हौ ज्ञाता।
रेख, न रूप, जाति कुल नाहीं जाके नहि पितु माता
यह मत दै गोपिन कहं आबहु बिरह नदी में भासति।
सूर तुरत यह जाय कहौ तुम्ह ब्रह्म बिना नाहिं आसति

अथवा

आयो घोष बड़ो ब्योपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी
फाटक दैकर हाटक माँगत भोरे निपट सुधारी।
धूर ही तें खोटो खायो है लयो फिरत सिर भारी
इनके कहे कौन डहकाबै ऐसी कौन अजानी।
अपनो दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी

(ग) जोजन भरि तेहिं बदनु पसारा। कपि तनु कीन्ह दुगुन बिस्तारा
सोरह जोजन मुख तेहिं ठयऊ। तुरत पवनसुत बत्तीस भयऊ
जस जस सुरसा बदनु बढ़ावा। तासु दून कपि रूप देखावा
सत जोजन तेहिं आनन कीन्हा। अति लघु रूप पवनसुत लीन्हा
बदन पइठि पुनि बाहेर आवा। मागा बिदा ताहि सिरु नावा
मोहि सुरन्ह जेहि लागि पठावा। बुधि बल मरमु तोर मैं पावा

अथवा

भोर तें साँझ लौं कानन-ओर निहारति बावरी नेक न हारति।
साँझ ते भोर लौं तारनि ताकि बो तारनि सों इकतार न टारति।
जौ कहूँ आवतो डीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति।
मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन के उर आरति

2. 'कबीर द्वारा अभिव्यक्त विचार आज भी हमारे समाज के लिए उपयोगी हैं।' सोदाहरण विवेचन कीजिए। 8

अथवा

जायसी के बारहमासा वर्णन की विशिष्टताओं को उदाहरण सहित समझाइए।

3. 'भ्रमरगीतसार' के आधार पर सूरदास के पदों में वर्णित प्रेमभक्ति भावना का वर्णन कीजिए। 8

अथवा

'सुन्दरकाण्ड' के विशेष सन्दर्भ में तुलसी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. 'घनानंद' प्रेम की पीर के कवि हैं।' इस कथन के आलोक में घनानंद की प्रेम व्यंजना सोदाहरण समझाइए। 8

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि घनानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 18
   (i) सुन्दरकाण्ड की कथावस्तु
   (ii) रहीम के दोहे
   (iii) रीतिमुक्त काव्यधारा
   (iv) विद्यापति
   (v) कबीर के राम

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **बारह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12
   (i) रसखान की किसी **एक** रचना का नाम लिखिए।
   (ii) 'बरवै छन्द' के सिद्धहस्त कवि का नाम लिखिए।
   (iii) 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' किस कवि ने कहा था ?

(iv) किस कवि को 'समाज सुधारक कवि' के रूप में जाना जाता है ?

(v) 'पद्मावत' के रचनाकार कवि का पूरा नाम लिखिए।

(vi) 'रामचरितमानस' किस काव्यशैली में निबद्ध रचना है ?

(vii) 'रामचरितमानस' किस भाषा में रचा ग्रंथ है ?

(viii) 'रामायण' के रचयिता कौन हैं ?

(ix) 'सुजान' किस कवि की प्रेयसी थी ?

(x) पुष्टिमार्ग का जहाज किसे कहा जाता है ?

(xi) 'रामचरितमानस' में कुल कितने कांड हैं ?

(xii) 'मसि कागद छुओ नहिं' किस कवि ने आत्मस्वीकृति की थी ?

(xiii) भक्तिकाल का कौन-सा कवि अकबर के 'नवरत्नों' में एक था ?

(xiv) 'वाणी का डिक्टेटर' किसे कहा गया है ?

(xv) सूरदास के गुरु का नाम क्या है ?